



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 2, 1985 (फाल्गुन 11, 1906)  
No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 2, 1985 (PHALGUNA 11, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड-1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिस्से में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)
249	
भाग I—खण्ड-2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए सांविधिक नियम और आदेश
247	81
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गये संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियां आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	7749
267	
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	भाग III—खंड 2—पेटेंट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस
भाग II—खण्ड-1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	247
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के विमल तथा रिपोर्टें	
भाग II—खंड-3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपलब्धियां आदि भी शामिल हैं)	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन भ्रष्टाचार द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
481	
भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं आदेश, विज्ञापन, और नोटिस शामिल हैं
941	649
	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्ति और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस
	35
	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़े को दिखाने वाला अनुपूरक

## CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	249	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	247	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	81
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	7749
PART I—SECTION 4—Notification regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	267	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	247
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	649
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	35
PART I—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	581	PART V—Supplement showing statistics of Birth Deaths etc. both in English and Hindi	
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	941		

**भाग I—खण्ड 1**  
**[PART I—SECTION 1]**

**(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं**  
**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Supreme Court]**

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1985

सं० 16-प्रेड/85—राष्ट्रपति महोदय निदेश देने के कि राष्ट्रपति सचिवालय की 28 जनवरी 1984 की अधिसूचना सं० 11-प्रेड/84, के अंतर्गत भारत के राजपत्र के भाग I, खण्ड 1, में 11 फरवरी, 1984, को प्रकाशित एशियाई विनिष्ट ज्योति और एशियाई ज्योति से संबंधित अध्यादेश से निम्नलिखित संशोधन किया जाए :—

तृतीय खण्ड के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए :—

तृतीय -- पदक वा रंग (नीले और हरे) 32 मि०मी० की चौड़ाई में रेशमी रिबन से सीत की बायीं ओर लटकाना जायेगा।

दिनांक 26 जनवरी 1985

सं० 17-प्रेड/85—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्ति को सर्वोत्कृष्ट योग्यता के लिए "ग्रंथोक्त चक्र" प्रदान किए जाने का महत्व अनुमानन करते हैं :—

1. कैप्टन जसबीर सिंह रैना (आई०सी०-37068),  
ब्रिगेड ऑफ दी गार्ड्स।

(पुरस्कार की प्रस्ताव तिथि 3 जून, 1984)

3 जून, 1984, को "ब्लू स्टार" संक्रिया के दौरान 10 गाइस के कैप्टन जसबीर सिंह रैना (आई०सी०-37068) को कुछ इमारतों में आतंकवादियों द्वारा की गई किलेबंदी का व्योम सेने का काम सौंपा गया था। बहुत जोखिमपूर्ण कार्य होने पर भी कैप्टन रैना ने इसे अपने हाथ में लिया और सिविल पोशाक में इमारत के अंदर गए। यद्यपि आतंकवादी हरदम इनका ढोका कर रहे थे फिर भी कैप्टन रैना ने अपनी जान जोखिम में डालकर इस काम को पूरा किया और इमारत के नक्शे और उसके अंदर की गई किलेबंदी के बारे में बड़ी उपयोगी जानकारी एकटूठी की।

फिर, 5/6 जून, 1984, को कैप्टन जसबीर सिंह रैना की कमान में "बी" कंपनी को उस धांसक स्थल से आतंकवादियों को निकालने का काम सौंपा गया। अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए उन्होंने इमारत में सबसे पहले प्रवेश किया। इन्होंने तीन मंजिला इमारत को छत, भूमिगत सुरंगों, मेनहोल और तहखानों में स्थित आतंकवादियों को बाहर निकालना था। जैसे ही इनकी प्लाटून ने मुख्य द्वार से इमारत में प्रवेश किया, इमारत के हर कोने से इन पर लाइट मशीनगनों तथा अन्य स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी होने लगी। परंतु कैप्टन जसबीर सिंह रैना इसमें बिल्कुल विचलित नहीं हुए और अपनी जान की परवाह किए बिना भाग बड़े। इस बीच इनकी टुकड़ी के बहुत से जवान हताहत हो गए थे पर इनके इस तरल भागे बढ़ने जाने से जवानों का प्रभुत्व प्रेरणा मिली और वे पूरे जोरों से धावा बोलने लगे। कुछ निश्चय के साथ कैप्टन रैना भागे बढ़ते रहे और इनकी कंपनी के जवान उस इमारत में एक के बाद दूसरे कमरे से आतंकवादियों को हटाने लगे। इसी दौरान

कैप्टन रैना पर बहुत नजदीक से गोलियों की बौछार की गई जिससे इनके धुत्ते पर गोली लगी। इसके बावजूद वे तब तक अपनी टुकड़ी के साथ रहे और उसका नेतृत्व करते रहे जब तक कि ज्यादा खून बह जाने के कारण गिर नहीं गए। तब तक आतंकवादियों को निकालने का काम भी पूरा हो चुका था। इतनी गंभीर हालत में भी वे वहां से हटना नहीं चाहते थे परंतु इनकी इच्छा के विरुद्ध इन्हें वहां से हटा लिया गया। इनकी इस बहादुरी और प्रेरणाप्रद नेतृत्व के कारण ही इनकी कंपनी भारी संख्या में जवानों के हताहत होने पर भी इस जोखिम पूर्ण कार्य को पूरा करने में सफल हुई।

इस प्रकार कैप्टन जसबीर सिंह रैना ने असाधारण शौर्य, प्रेरणाप्रद नेतृत्व, अनुकरणीय साहस तथा उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. लेफ्टिनेंट रामप्रकाश रोपड़िया (सरणीपरान्त)  
(आई० सी० 39994) मद्रास रेजिमेंट।

(पुरस्कार की प्रस्ताव तिथि 5 जून 1984)

5 और 6 जून 1984, की रात को "ब्लू स्टार" संक्रिया के दौरान 26 मद्रास रेजिमेंट की "सी" कंपनी का आतंकवादियों की मजबूत किलेबंदी वाली इमारतों की पहली मंजिल कब्जे में लेने का जिम्मा सौंपा गया था। इन इमारतों की भारी किलेबंदी की गई थी और अन्दर उग्र आतंकवादियों का भारी जमाव था। 26 मद्रास रेजिमेंट की इस "सी" कंपनी के कमान अफसर का पदभार सभाल रहे थे लेफ्टिनेंट रामप्रकाश रोपड़िया इमारत की पहली मंजिल के जीनों पर आतंकवादियों ने स्थापित हथियार साधे हुए थे। इसलिए लेफ्टिनेंट रोपड़िया ने सीढ़ी लगाकर इमारत की पहली मंजिल तक पहुंचने का फैसला किया। लेकिन मशीनगनों की भारी गोलीबारी ने उनका रास्ता रोक दिया। जब पहली मंजिल तक पहुंचने की तीन कोशिशें नाकामयाब हो गईं और आगे बढ़ना कठिन हो गया तो लेफ्टिनेंट रामप्रकाश रोपड़िया ने वालंटियरों को अपने साथ चलने को कहा। अपनी जान की भी परवाह न करते हुए उन्होंने नायब सूबेदार के० जी० कोशी को साफ लेकर चौथी बार कोशिश की और इस बार कामयाब रहे। लेफ्टिनेंट रोपड़िया ने अपने अटूट साहस और बढ़िया नेतृत्व की जो अपनी मिसाल कायम की उससे उनके सैनिकों को भी प्रेरणा मिली और उनकी कंपनी उन कामों को पूरा कर पाई जो उसे सौंपे गए थे। इसके बाद लेफ्टिनेंट रोपड़िया ने मशीनगन की भारी गोलीबारी के बीच, नायब सूबेदार के० जी० कोशी के साथ बंकरों का सफाया शुरू किया। उन्होंने अपनी कंपनी का नेतृत्व खुद संभाला और इमारत की पहली मंजिल को पूरा साफ कर दिया। तत्पश्चात् उन्होंने नीचे की मंजिल पर स्थित "बी" कंपनी से जुड़ने का फैसला किया। सीढ़ियों से उकावट हटाने के लिए उन्होंने खुद अपने सैनिकों का नेतृत्व किया। जैसे ही उन्होंने सीढ़ियों की ओर जाने वाला दरवाजा खोला, आतंकवादियों ने उन पर गोलियां बरसाईं। लेफ्टिनेंट रोपड़िया ने दो हथगोले कैके और सीढ़ियों में दाखिल हो गए। एक धायल आतंकवादी ने उन पर गोली चलाई जिससे उनका कंधा और गर्दन गंभीर रूप से घायल हो गए। ऐसी गंभीर हालत में भी उन्होंने

उस आतंकवादी को गोली चलाकर डेर कर दिया। अपने भावों और जान की जरा भी परवाह न करते हुए वे सीढ़ियाँ उतर गए और "डी" कंपनी से अपना सम्बन्ध स्थापित किया। लेकिन बेहूष बकान और बहुत ज्यादा खून बह जाने के कारण वे नीचे आते ही बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें अस्पताल पहुँचाया गया लेकिन उनके बावजूद उनके लिए आतंक सिद्ध हुए।

इस कारवाई में लेफ्टिनेंट रामप्रकाश रोपड़िया ने असाधारण शौर्य, अदम्य साहस, अनुकरणीय वीरता, असाधारण नेतृत्व तथा उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय देते हुए सेना की उच्चतम परम्पराओं के लिए अपने जीवन का बलिदान कर दिया।

3. 4050561 नायक भवानी दत्त जोशी (मरणोपरान्त)  
गढ़वाल राइफल्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 5 जून 1984)

5/6 जून 1984, की रात "ब्लू स्टार" संक्रिया के दौरान नायक भवानी दत्त जोशी की कंपनी को कुछ इमारतों में प्रवेश हासिल करने का काम सौंपा गया था। आतंकवादियों ने इन इमारतों की मजबूती से किलेबंदी की हुई थी और मुख्य द्वार बन्द किया हुआ था। सेना के प्रवेश के लिए इस मुख्य द्वार को खोलना बहुत जरूरी था। इस मुख्य द्वार पर जैसे ही एक बड़ा छेद बनाया गया, आतंकवादियों ने नायक भवानी दत्त जोशी की प्लाटून पर भीषण गोलीबारी शुरू कर दी जिससे प्लाटून का आगे बढ़ना असम्भव हो गया था। इसे देखकर कमांडिंग ऑफसर ने जवानों से कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए जो जवान आगे आना चाहें आ जाएं। इस अनूठीपूर्ण कार्य के लिए नायक भवानी दत्त जोशी आगे आए। अपनी सुरक्षा की जरा भी परवाह किए बिना उन्होंने आतंकवादियों पर हमला बोल दिया। एक आतंकवादी को उन्होंने अपनी करबाइन से और दूसरे को संगीन से मीत के घाट उतार दिया और इस तरह प्लाटून के लिए आगे बढ़ने का रास्ता खुल गया। वे इस कार्रवाई में खूब जकमी हो चुके थे फिर भी दीवार की आड़ से गोलीबारी कर रहे दूसरे आतंकवादी पर टूट पड़े और इन मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हो गए। उनके इस अदम्य साहस के परिणामस्वरूप ही उनकी कंपनी अपने मिशन को प्राप्त करने में सफल हुई।

इस प्रकार नायक भवानी दत्त जोशी ने असाधारण शौर्य, दृढ़ता, अनुकरणीय साहस और उच्चकोटि की असाधारण कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया और सेना की उच्चतम परम्पराओं के लिए अपनी जान पर खेल गए।

4. 4167548 नायक निर्भय सिंह (मरणोपरान्त)  
कुमाऊं रेजिमेंट।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 6 जून 1984)

पंजाब में आतंकवादी विरोधी संक्रिया के दौरान 15 कुमाऊं के नायक निर्भय सिंह, "ए" कंपनी की एक हल्की मशीनगन टुकड़ी के कमांडर थे। उनकी कंपनी को एक ऐसी महत्वपूर्ण इमारत को साफ करने का काम सौंपा गया जिसकी भारी किलेबंदी की गई थी और जहाँ पर उन आतंकवादियों का सशक्त कब्जा था। जैसे ही कंपनी अपने लक्ष्य की ओर बढ़ी, उस पर भारी फायर हुआ जिससे बहुत से सैनिक हताहत हो गए। इसलिए आगे बढ़ने का काम रुक गया। ऐसे में कंपनी कमांडर स्वयं उस इमारत की ओर सबसे आगे बढ़े। अपने कमांडर को भारी फायर में घुसते देखकर, नायक निर्भय सिंह ने अपने नं० 2 को अपने पीछे आने का आदेश दिया। वे शीघ्र ही इमारत के बेस में जा पहुँचे और हल्की मशीनगन मोड़ते करके उन्होंने अपने कंपनी कमांडर को ढाकर करने के लिए फायरिंग शुरू कर दी। इस हल्की मशीनगन टुकड़ी पर आतंकवादियों ने अलग-अलग दिशाओं में कायम तीन-चार चौकियों से मशीनगन का भारी फायर शुरू कर दिया। नायक निर्भय सिंह भारी फायर के बीच भी अपने कंपनी कमांडर को ढाकर करते रहे। इसी बीच उन्होंने एक सुराख से फायर कर रही एक हल्की मशीनगन को देखा जिससे कंपनी कमांडर की जान को खतरा हो रहा था। अपने

को भारी ओखिम में डालते हुए वे तुरन्त उठ खड़े हुए और उस हल्की मशीनगन की ओर बौड़ पड़े। ऐसा करते हुए मशीनगन की बौछार उनकी टांग पर हुई। अपने भावों से विचलित हुए बिना, नायक निर्भय सिंह रेंगते हुए हल्की मशीनगन चौकी की ओर बढ़े। मशीनगनों के अचूक फायर के बीच अपनी जान की परवाह किए बिना उन्होंने उस हल्की मशीनगन की पोजीशन पर एक हथगोला फेंका और उसे शांत कर दिया। इसी बीच उन पर मशीनगन की दूसरी बौछार हुई और वे वहीं शहीद हो गए।

इस प्रकार नायक निर्भय सिंह ने असाधारण शौर्य, अनुकरणीय साहस और असाधारण स्तर की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया तथा सेना की उच्चतम परम्पराओं के लिए अपनी जान की कुर्बानी दे दी।

5. मेजर भूकान्त मिश्र (आई० सी० 22479), (मरणोपरान्त)  
कुमाऊं रेजिमेंट।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 6 जून 1984)

मेजर भूकान्त मिश्र 15 कुमाऊं "ए" कंपनी के कमांडर थे। 6 जून, 1984, को "ब्लू स्टार" संक्रिया के दौरान उनकी कंपनी को एक बहुत ही मजबूत किलेबंदी की हुई इमारत से आतंकवादियों को हटाने का काम सौंपा गया था। इससे पहले 5 जून, 1984, को भी कार्रवाई की गई थी लेकिन वह असफल रही। उस कार्रवाई में बहुत से सैनिक मारे गए थे। मेजर भूकान्त मिश्र के नेतृत्व में 6 जून, 1984, को सुबह 4.40 बजे एक आर्मड्ड परसोनल कैरियर के पीछे-पीछे उनकी "ए" कंपनी उस इमारत की ओर बढ़ी। आतंकवादियों ने टैंकरोधी गोलों से परसोनल कैरियर पर हमला बोल दिया। "ए" कंपनी स्वचालित हथियारों को मार से बिर गई और आठ व्यक्ति मारे गए। स्थिति काबू से बाहर होते देख मेजर मिश्र अपनी जान पर खेल कर आगे बढ़े और भारी गोलीबारी के बावजूद अपनी कंपनी का नेतृत्व करते हुए अपने जवानों को पीछे-पीछे आने का आदेश दिया और उस इमारत के बेस पर थावा बोल दिया। उनके इस तरह आगे बढ़ते जाने से जवानों को अद्भुत प्रेरणा मिली और उन्होंने भी पूरे जोरों से धावा बोल दिया। आतंकवादियों ने इमारत के एक शरोखे से लाइट मशीनगन की फायर शुरू कर दी जिससे इस कंपनी का आगे बढ़ना रुक गया। मीत के खतरे की परवाह किए बिना मेजर मिश्र रेंग-रेंग कर शरोखे के पास पहुँचे और एक हथगोला फेंककर मशीनगन के धागे को शांत करा दिए। उसके बाद जब उन्होंने इमारत के अंदर जाने की कोशिश की तो मशीनगन की एक गोली उन पर लगी और इस तरह से अपना कर्तव्य पूरा करते हुए वीरगति को प्राप्त हो गए।

इस प्रकार मेजर भूकान्त मिश्र ने असाधारण शौर्य, अनुकरणीय साहस, वृद्ध संकल्प, प्रेरणादायक नेतृत्व तथा प्रति असाधारण कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया और सेना की उच्चतम परम्पराओं के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

सं० 18-प्रज्ञ/85—राष्ट्रपति, निम्नांकित व्यक्तियों को उनकी प्रति असाधारण विशिष्ट सेवा के उपलक्ष्य में "परम विशिष्ट सेवा मंडल" प्रदान करने का सर्व्व अनुमोदन करते हैं :—

1. लेफ्टिनेंट जनरल भूपिन्दर सिंह (आई० सी०-2257)—  
[आटिलरी।
2. लेफ्टिनेंट जनरल कवर चिमन सिंह (आई० सी०-2276)—  
इन्फैंट्री।
3. लेफ्टिनेंट जनरल मोहन लाल तुली (आई० सी०-2355)—  
इन्फैंट्री।
4. लेफ्टिनेंट जनरल हिममत सिंह (आई० सी०-4665)—  
इन्फैंट्री।
5. लेफ्टिनेंट जनरल कोदंड नन्पा सोमना (आई० सी०-4471)—  
इन्फैंट्री।

- 6 लेफ्टिनेंट जनरल जगदीश राज मल्होत्रा (आई०सी०-3964-ए), ए०बी०एस०एम०—आर्टिलरी।
- 7 लेफ्टिनेंट जनरल राजेश्वर सिंह (आई०सी०-4525) आर्टिलरी।
- 8 लेफ्टिनेंट जनरल प्राणनाथ कठपालिया (आई०सी०-4528-पी), ए०बी०एस०एम०—कुमाऊं रेजिमेंट।
- 9 लेफ्टिनेंट जनरल जगत मोहन बोहरा (आई०सी०-4767) एस०एम०—कवचित कोर।
- 10 लेफ्टिनेंट जनरल कुमार महिपत सिंह जी (आई०सी०-5095) —इन्फैन्ट्री।
- 11 लेफ्टिनेंट जनरल अमल नारायण रामसुब्रह्मण्यन (एम०आर०-371), सेना—मेडिकल कोर।
- 12 मेजर जनरल तीरथ सिंह वर्मा (आई०सी०-4586) —इन्फैन्ट्री।
- 13 मेजर जनरल रवीन्द्र नाथ कपूर (आई०सी०-5132) —आर्टिलरी।
- 14 मेजर जनरल महेन्द्र नाथ रावत (आई०सी०-4779) —इन्फैन्ट्री (सेवा निवृत्त)।
- 15 मेजर जनरल करम सिंह (आई०सी०-5839) —ए०एम०—इन्फैन्ट्री।
- 16 मेजर जनरल जगदीश नारायण (एम०आर०-0597) बी० एस०एम०—सेना मेडिकल कोर।
- 17 मेजर जनरल बलदेव राय पराशर (आई०सी०-19384), ए० बी०एस०एम०—जंज एडवोकेट जनरल का विभाग।
- 18 बाइस एडमिरल नरेंद्र भल्ला, ए०बी०एस०एम० (40010-एफ)।
- 19 बाइस एडमिरल जयन्त गणपत नाडकर्णी, ए०बी०एस०एम०, एन०एम०, बी०एस०एम० (00086-डब्ल्यू)।
- 20 एयर मार्शल प्रेम पाल सिंह, एम०बी०सी०, ए०बी०एस०एम० (3871) —उड़ान (पायलट)।
- 21 एयर मार्शल सुब्रमण्यम् राघवेंद्रन, ए०बी०एस०एम० (3840) —उड़ान (पायलट)।
- 22 एयर मार्शल पून सिंह बाजवा (3520) —मेडिकल।
- 23 एयर वाइस मार्शल नारायण कृष्ण नायर, बी० एस० एम० (4075), एयरोनाटिकल इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रानिक्स) —(सेवा निवृत्त)।
- 24 एयर वाइस मार्शल क्या शंकर मिश्र, ए०बी०एस०एम०, बी० एस० (4067), एयरोनाटिकल इंजीनियरिंग (मेकेनिकल) —(सेवा निवृत्त)।

सं० 19-प्रेक्ष/85—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को उनकी असाधारण विशिष्ट सेवा के उपलब्ध में "अति विशिष्ट सेवा मंडल" प्रदान करने का सर्व्व अनुमोदन करते हैं:—

- 1 मेजर जनरल सत्य पाल सेठी (आई०सी०-5321) —सिगनल्स।
- 2 मेजर जनरल कैलाश मोहन ठोडी (आई०सी०-6830) —आर्मड कोर।
- 3 मेजर जनरल प्रमोद वल्लासेय शेरलेकर (आई०सी०-6461) —आधुनिक कोर।
- 4 ब्रिगेडियर रोमेश चन्द्र बटालिया (आई०सी०-4401) —आर्टिलरी (सेवा निवृत्त)।
- 5 ब्रिगेडियर हरिवर कुमार तलवाड़ (आई०सी०-6637) —ब्रेनेडियर्स।
- 6 ब्रिगेडियर हरदयाल सिंह (आई०सी०-8645) —सिगनल्स।
- 7 ब्रिगेडियर तेज प्रताप सिंह (आई०सी०-07048) —आर्टिलरी।

- 8 मेजर जनरल महेन्द्र राज बहुगुणा (आई०सी०-7305) —कुमाऊं रेजिमेंट।
- 9 ब्रिगेडियर हरि नाथ हन (आई०सी०-7609) —आर्मड कोर।
- 10 ब्रिगेडियर अमरजीत सिंह (आई०सी०-7753) —आर्मड कोर (मरणोपरान्त)।
- 11 ब्रिगेडियर अजीत सिंह चौपड़ा (आई०सी०-7759) —इन्फैन्ट्री।
- 12 ब्रिगेडियर नत्तापुनैनी वेंकट सुब्बाराव (आई०सी०-8108) —मराठा लाइट इन्फैन्ट्री।
- 13 ब्रिगेडियर सुरिन्दर सिंह मेवाल (आई०सी०-10402) —आर्मड कोर।
- 14 ब्रिगेडियर इयान एंथनी जोसेफ कारडोजी (आई०सी०-10407) एस०एम०, इन्फैन्ट्री।
- 15 ब्रिगेडियर हिम्मत् सिंह गिल (आई०सी०-10445), बी०एस०एम०—आर्मड कोर।
- 16 ब्रिगेडियर विजय नारायण चन्ना (आई०सी०-8495), बी० एस०एम०—गार्ड्स।
- 17 ब्रिगेडियर कुलवेन्द्र सिंह (आई०सी०-10515) —इन्फैन्ट्री।
- 18 ब्रिगेडियर हरमजन सिंह लाम्बा (आई०सी०-11227) —इन्फैन्ट्री।
- 19 ब्रिगेडियर निरंजन दास पराशर (एम०आर०-954) —आर्मी मेडिकल कोर।
- 20 मेजर जनरल (कुमारी) प्रलियथ राजमाल (एन०आर०-12103) —मिलिटरी नर्सिंग सर्विस।
- 21 ब्रिगेडियर (कुमारी) कुंज यादव राव शेंडे (एन०आर०-12142) —मिलिटरी नर्सिंग सर्विस (सेवा निवृत्त)।
- 22 कर्नल यूस्टेस विलियम फर्नांडिज (आई०सी०-12335), एस०एम०—आर्टिलरी।
- 23 कर्नल गुरुध्याल सिंह हुंडल (आई०सी०-12537) —आर्टिलरी।
- 24 कर्नल ध्रुव ज्योति मुखर्जी (एम०आर०-01002), बी०एस०एम०—आर्मी मेडिकल कोर।
- 25 ब्रिगेडियर कृष्ण नंदन प्रभाव सिन्हा (एम०आर०-1184) —आर्मी मेडिकल कोर।
- 26 कर्नल जगदीश कुमार धरोडा (एम०आर०-01261) —आर्मी मेडिकल कोर।
- 27 ब्रिगेडियर (कुमारी) विमला साहमी (एन०आर०-12308), मिलिटरी नर्सिंग सर्विस।
- 28 ब्रिगेडियर भीम सेन जांशी (आई०सी० 7020) —इन्फैन्ट्री।
- 29 रियर एडमिरल सुभाष चन्द्र चौपड़ा, एन०एम० (00131-आई)।
- 30 रियर एडमिरल सुरेन्द्र प्रकाश गोविल (00165-आई)।
- 31 कमोडोर शानेन्द्र नाथ राय, (50075-एफ)।
- 32 सर्वज कर्मोडोर जैनुल अब्दीन (75282-डब्ल्यू)।
- 33 कमोडोर जार्ज कैलथ, एन०एम०, बी०एस०एम० (00303-एन)।
- 34 कमोडोर मीली भूषण घोष, एन०एम० (40070-टी)।
- 35 कमोडोर सतीश चन्द्र बिन्हा (60040-बी)।
- 36 एयर कमोडोर केराव देव कनागत, बी०एम० (4433) —उड़ान (पायलट)।
- 37 एयर वाइस मार्शल हर कृष्ण मोहराय, बी० एस० (4583) —उड़ान (पायलट)।
- 38 एयर कमोडोर अजितमोहन शहाने (4685) —उड़ान (पायलट) (सेवा निवृत्त)।

39. एयर कमांडोर राजेश कुमार धवन, बी० एम० (4736)—उड़ान (पायलट)।
40. एयर कमांडोर बीर इन्दर गिहू, बी० एम० (5010)—उड़ान (पायलट)।
41. एयर कमांडोर मधुकर केशव जोशी (4399)—उड़ान (नेवी-नेटर) (सेवा निवृत्त)।
42. ग्रुप कैप्टन मानकम नारायणन श्रीमणीराम, बी० एम० (5413)—एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रानिक्स)।
43. एयर कमांडोर शशि कुमार सेमुएल रामदास, बी० एम०, बी० एम० एम० (4930)—एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (मैकेनिकल)।
44. एयर कमांडोर केवल कृष्ण चड्ढा (4512)—लॉजिस्टिक्स (सेवा निवृत्त)।
45. एयर कमांडोर कृष्णमूर्ति कोन्डुरी (5033)—एकाउंट्स।
46. एयर वाइस मार्शल जनेश नाथ कुंजरा (4167)—मैडिकल।
47. कर्नल (कुमारी) धमाखा चन्ना इन्दुर (एन० आर०—12429—एफ), एम० एन० एम० —(सेवा निवृत्त)।

सु० नीलकण्ठन, राष्ट्रपति का उप सचिव

#### पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1985

#### सूचिपत्र

सं० ओ०—12012/33/83-उत्पादन—इस मंत्रालय के आदेश संख्या ओ०—12012/33/83-उत्पादन दिनांक 4-9-84 के पैरा 1 की छठी पंक्ति में आए शब्द “एक वर्ष” के स्थान पर “चार वर्ष” प्रतिस्थापित किया जाए।

पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के आरम्भ होने का तिथि 10 नवम्बर, 1983 होगी।

यह भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर है।

पी०के० राजगोपालन, हेडक आधिकारी

#### विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

#### विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

#### संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1985

सं० एम०ई०—11013/1/85-एम—भारत सरकार, पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय के 21-9-78 के संकल्प सं० एम०ई० 11013/4/77-एम के पैरा 9 के अनुसरण में मौसम विज्ञान और वायुमण्डलीय विज्ञान परिषद (सी०एम०ए०एम०) का सघटन नीचे निर्धारित किये गये अनुसार होगा :—

- |   |           |
|---|-----------|
| 1. सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय,<br>विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग                 | प्रध्यक्ष |
| 2. मौसम विज्ञान महा निदेशक  | सदस्य     |
| 3. भारत मौसम विज्ञान विभाग के<br>तीन अनिरिक्त महा निदेशक                                    | सदस्य     |
| 4. सरकार द्वारा नामित किये जाने वाले<br>भारत मौसम विज्ञान विभाग के<br>बाहर के चार वैज्ञानिक | सदस्य     |
| 5. निदेशक, भारत उष्ण देशीय मौसम<br>विज्ञान संस्थान, पुणे                                    | सदस्य     |
| 6. महा निदेशक, नागर विमानन  | सदस्य     |

7. विनीय मन्त्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी  
विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

सदस्य

8. भारत मौसम विज्ञान विभाग का एक  
अधिकारी

गैर सदस्य  
सचिव

परिषद में नामित किये गये वैज्ञानिक अधिक से अधिक तीन वर्षों की अवधि के लिए सदस्य रह सकेंगे।

मौसम विज्ञान और वायु मण्डलीय विज्ञान परिषद् के सघटन में उपर्युक्त परिवर्तन विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री के रूप में प्रधान मंत्री के अनुमोदन से किये गये हैं।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प, जो कि तुरन्त प्रभावी होगा की एक एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों और सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों/संघ लोक सेवा आयोग और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक को प्रेषित की जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को जन मामलों की सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

जी० चटर्जी, संयुक्त सचिव

#### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1985

#### संकल्प

सं० 309/3/81-टी०बी०—देश की 70 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करने के लिए दश में “दूरदर्शन मंचाल के विस्तार की विशेष योजना” के कार्यान्वित हो जाने पर, दश में दूरदर्शन कार्यक्रमों की निर्माण क्षमता का विस्तार करने की भी आवश्यकता जरूरी हो गई है। जबकि दूरदर्शन अपनी कार्यक्रम निर्माण क्षमताओं का विस्तार कर रहा है, सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने दूरदर्शन के बाहर बीडियों कार्यक्रम निर्माण सुविधाओं की स्थापना को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है।

2. इस प्रकार की सुविधाओं की स्थापना करने तथा बीडियों कार्यक्रमों का निर्माण करने के लिए निजी क्षेत्र के संगठनों एवं व्यक्तियों द्वारा पर्याप्त उस्साह दिखाया गया है। इस नई सेवा गतिविधि के संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए तथा इसके लिए सरकार की स्वीकृति की प्रक्रियाओं को सुप्रवाही बनाने के लिए, इस क्षेत्र में प्रवेश करने की इच्छुक पार्टियों के आवेदन-पत्रों पर विचार करने के लिये निम्नलिखित प्रक्रियाएँ बनाई गई हैं:

(क) बीडिया कार्यक्रम निर्माण केन्द्रों की स्थापना करने के लिए सभी आवेदन पत्रों को एक ही जगह सूचना और प्रसारण मंत्रालय के निदेशक (सी० एंड सी०) द्वारा प्राप्त किया जायेगा।

(ख) बीडियों कार्यक्रम निर्माण करते हेतु स्वदेशी आपूर्ति के 3/4 “पू-मैटिक (मानक बड) फार्मेट तथा/या 1” बी फार्मेट उपकरणों को प्रयुक्त करने वाले केन्द्रों की स्थापना करने के लिए आवेदन पत्रों पर विचार किया जायेगा। नियत प्रयोजनों के लिये रिकार्डिंग के अन्य फार्मेटों को कवर करने के लिये इन सुविधाओं के विस्तार पर गुण-दोष के आधार पर विचार किया जा सकता है, यदि साथ में पक्की नियत बचनबद्धताएँ हों। तथापि, दूरदर्शन उन्ही कैमरों पर निर्मित कार्यक्रमों को स्वीकार करेगा जिनकी गुणवत्ता सी०मी०ई०ए०/ए० द्वारा बनये गये कैमरों की गुणवत्ता से कम नहीं हो।

(ग) फिल्म को बीडियों टेपो/कैमेटो से बदलने की, सुविधाओं की स्थापना हेतु आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

(घ) आवेदन पत्रों पर विचार सूचना और प्रसारण मंत्रालय, तकनीकी विकास सहानिदेशालय तथा इलेक्ट्रानिक्स विभाग की एक समिति

द्वारा किया जायेगा तथा बीडियो कार्यक्रम बनाने के लिये चुने गये आवेदन-कर्त्ताओं को आवश्यक स्वीकृति जारी की जायेगी। यह समिति इस प्रकार के मामलों में आवश्यक उपकरण प्रदान किए जाने के लिये इलेक्ट्रॉनिकी विभाग के विचारार्थ सिफारिशें करेगी।

(इ) तब अनुमोदित आवेदनकर्त्ताओं को सूचना और प्रचारण मंत्रालय द्वारा पञ्जीकृत किया जायेगा।

# PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 18th February 1985

No. 16-Pres./85.—The President is pleased to direct that the following amendments shall be made in the ordinances relating to the "Asiad Vishisht Jyoti" Medals, in the President's Secretariat Notification No. 11-Pres./84, dated 28th January, 1984, published in Part I, Section 1, in the Gazette of India, dated 11th February, 1984, namely,

For clause thirdly, the following shall be substituted :—

"Thirdly. The medal shall be suspended from the left breast by a double coloured (blue and green) silk ribbon 32 mm in width."

The 26th January 1985

No. 17-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of 'SHOKA CHAKRA' to the following persons for acts of bravery of the highest order :—

1. Captain Jasbir Singh Raina (IC 37068), Brigade of the Guards.

(Effective date of the award : 3rd June, 1984)

On the 3rd June, 1984 during operations 'Blue Star', IC-37068, Captain Jasbir Singh Raina of 10 Guards was assigned the task of finding out detail of the fortifications made by the terrorists in a building complex. Even though it was a dangerous mission, Captain Raina undertook the task and went inside in civilian clothes. In spite of the fact that he was being trailed by the terrorists throughout his mission, Captain Raina carried out the task at great risk to his own life and brought very useful information about the layout of the building as well as the fortifications inside it.

Again on the night of the 5th/6th June, 1984, 'B' Company under command of Captain Jasbir Singh Raina was asked to flush out terrorists from a religious place. His company was the first to enter the complex and he was in the lead. His company's objective consisted of three storeyed buildings dominated from top, some underground tunnels, manholes and basements. As soon as the leading platoon entered the complex through the main entrance, it came under heavy fire of LMGs and other automatic weapons from all sides of the complex. Undaunted by the risk to his personal safety, Captain Raina forged ahead through intense fire of automatic weapons and inspired his men to maintain the momentum of the operation despite heavy casualties. With a resolute determination Captain Jasbir Singh Raina kept moving ahead inspiring his company to clear room after room occupied by the terrorists. While doing so, Captain Raina was hit on his knees by a burst of fire from point blank range and was seriously wounded. Despite the serious injury, he continued to rally his company and led his troops till he slumped due to excessive loss of blood. By then the mission had been finally accomplished. The officer even at this stage had to be evacuated much against his wishes. His bravery and inspiring leadership played a very major part in the success of his company's mission, which it achieved inspite of very heavy casualties.

Captain Jasbir Singh Raina thus displayed most conspicuous bravery, inspiring leadership, cool courage and devotion to duty of an exceptionally high order.

2. Lieutenant Ram Prakash Roperia (IC-39994), (Posthumous) The Madras Regiment.

(Effective date of the award : 5th June, 1984).

On the night of the 5th/6th June, 1984, during operation 'Blue Star', 'C' company of 26 Madras was tasked to secure

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र प्रकाशित किया जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इसको प्रति सभी संबंधितों (राज्यों/सब आसित शक्तों/भारत सरकार के मंत्रालयों) को भेज दी जाये।

एस०आर० सिंह, सयुक्त सचिव

the first floor of strongly held building complex. The building complex was heavily fortified and strongly held by highly motivated terrorists. Lieutenant Ram Prakash Roperia was officiating as the officer Commanding 'C' Company, 26 Madras. A few staircases leading to the first floor of the building were effectively covered with automatic weapons by the terrorists. Lieutenant Roperia decided to climb on to the first floor of the building with the help of ladders. However, his progress was hampered due to effective machine gun-fire. Three attempts to reach the first floor failed and further move appeared difficult. Lieutenant Ram Prakash Roperia asked for volunteers to accompany him and in utter disregard for personal safety he along with Naib Subedar KG Koshy personally led the fourth attempt and succeeded in climbing the first floor of the building. This personal example of indomitable courage and outstanding leadership of Lieutenant Roperia greatly inspired his men and enabled his company to reach its allotted objective. Thereafter, Lieutenant Ram Prakash Roperia along with Naib Sub KG Koshy started clearing the bunkers under heavy machine gun fire. He personally led his company and cleared the complete first floor of the building. He then decided to link up with 'D' company which was on the ground floor. He personally led his men to clear the staircase. The moment he opened the door of the staircase, he was fired upon by the terrorists. Lieutenant Roperia lobbed two hand grenades and entered the staircase. One of the terrorists though injured fired at Lieutenant Roperia injuring him seriously in the shoulder and neck. In spite of having been seriously injured, he fired at the terrorist and killed him. Unmindful of his injury and in complete disregard of his personal safety, he climbed down the staircase and established line with 'D' company. After reaching the ground floor he collapsed due to sheer exhaustion and excessive bleeding. He was evacuated to Hospital where he succumbed to his injuries.

In this action Lieutenant Ram Prakash Roperia displayed most conspicuous bravery, indomitable courage, exemplary personal valour, outstanding leadership and devotion to duty of an exceptionally high order and laid down his life in the highest traditions of the Army.

3. 4050561 Naik Bhawani Datt Joshi, (Posthumous) Garhwal Rifles.

(Effective date of the award : 5th June, 1984).

On the night of the 5th/6th June, 1984, during operation 'Blue Star', Naik Bhawani Datt Joshi's Company had been given the task of gaining a foothold in an important complex of building. The building complex had been heavily fortified and was strongly held by highly motivated terrorists and the gate properly closed and blocked by them. Therefore, the gate had to be opened up. As soon as a hole was made in the gate, very heavy volume of fire came on Naik Bhawani Datt Joshi's platoon thereby seriously hampering the progress of the operation. At this juncture, the Commanding Officer asked for volunteers to tackle the terrorists positions. Naik Bhawani Datt Joshi volunteered to undertake the mission. Totally unmindful of the obvious danger and without caring for his personal safety, Naik Bhawani Datt Joshi personally led his section in this operation. He killed one of the terrorists with his carbine and bayoneted another to death thereby clearing the way for his platoon to capture its objective. Even though he was already injured, he pounced upon another terrorist who was firing from behind a cover but in the process he was mortally wounded. Because of the cool courage displayed by Naik Bhawani Datt Joshi, his company successfully captured its objective.

Naik Bhawani Datt Joshi thus displayed most conspicuous bravery, resolute determination, cool courage and devotion to duty of an exceptionally high order and laid down his life in the highest traditions of the Army.

4. 4167546 Naik Nirbhay Singh, (Posthumous)  
Kumaon Regiment.  
(Effective date of the award : 5th June, 1984)

Naik Nirbhay Singh of 15 Kumaon was the Light Machine Gun Detachment Commander of 'A' Company during anti-terrorist operations in Punjab. His Company was tasked to clear an important building complex which was heavily fortified and strongly held by highly motivated terrorists. As the Company advanced towards its objective, it came under heavy fire and suffered heavy casualties. The advance came to halt. At this stage, the Company Commander rushed forward all by himself towards the building. Seeing his Company Commander charging in the face of intense fire, Naik Nirbhay Singh ordered his Number 2 to follow him. They reached the base of the building quickly, mounted a Light Machine Gun and started firing to cover the move of their Company Commander. The Light Machine Gun detachment came under intense machine gun fire of the terrorists from three to four posts from different directions. Naik Nirbhay Singh continued to remain in the open under heavy fire covering the move of his Company Commander. At this stage, he detected a Light Machine Gun firing from a port hole endangering the life of his Company Commander. He immediately stood up, exposing himself to grave danger and charged towards the Light Machine Gun. While doing so, he was hit by a machine gun burst on his leg. Undeterred by the injury suffered by him, Naik Nirbhay Singh crawled towards the Light Machine Gun post exposing himself to the effective fire and without caring for his personal safety, lobbed a hand grenade into the Light Machine Gun position and successfully silenced it. In the process, he was hit by a burst of machine gun fire for the second time and was killed instantaneously.

Naik Nirbhay Singh thus displayed most conspicuous bravery, cool courage, devotion to duty of an exceptionally high order and laid down his life in the highest traditions of the Army.

5. Major Bhukant Misra (IC-22479), (Posthumous)  
Kumaon Regiment.  
(Effective date of the award : 6th June, 1984)

Major Bhukant Misra was the company commander of 'A' company 15 Kumaon. On the 6th June, 1984, during operation 'Blue Star' his company was tasked to clear terrorists from a very heavily fortified complex. Attempt to clear the building on the 5th June, 1984, had failed resulting in very heavy casualties. At 0440 hours on the 6th June, 1984, 'A' Company under Major Bhukant Misra advanced behind an Armoured Personnel Carrier which was soon hit by anti tank fire of the terrorists. 'A' Company came under effective fire of automatics and suffered eight casualties. Realising the momentary loss of command and control, Major Bhukant Misra in total disregard to his personal safety rushed forward and led his company despite the very heavy volume of effective fire. He stood in front of his company and asked men to follow him and charged the base of the building. This daring act of Major Bhukant Misra gave tremendous inspiration to his men and they followed him and charged on to the objective. A Light Machine Gun from a port hole at this stage effectively stopped their further advance. Major Bhukant Misra disregarding his personal safety crawled up to the position and destroyed the Light Machine Gun by lobbing a hand grenade. While attempting to enter the building he was hit by a machine gun burst and thus made the supreme sacrifice of laying down his life in the accomplishment of his mission.

Major Bhukant Misra thus displayed most conspicuous bravery, cool courage, dogged determination, inspiring leadership, devotion to duty of an exceptionally high order and laid down his life in the highest tradition of the Army.

No. 18-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of the Param Vishisht Seva Medal to the following officers for distinguished service of the most exceptional order :—

#### PARAM VISHISHT SEVA MEDAL

1. Lt Gen Bhupinder Singh (IC 2257), Artillery.
2. Lt Gen Kanwar Chiman Singh (IC 2276), Infantry.
3. Lt Gen Mohan Lal Tuli (IC 2355), Infantry.

4. Lt Gen Himmeth Singh (IC 4665), Infantry.
5. Lt Gen Codanda Nanjappa Somanna (IC 4471), Infantry.
6. Lt Gen Jagdish Raj Malhotra (IC 3964A) AVSM, Artillery.
7. Lt Gen Rajindar Singh (IC 4525), Artillery.
8. Lt Gen Pran Nath Kathpalia (IC 4528P) AVSM, Kumaon Regiment.
9. Lt Gen Jagat Mohan Vohra (IC 4767), SM, Armoured Corps.
10. Lt Gen Kumar Mahipat Sinhji (IC 5095), Infantry.
11. Lt Gen Ananta Narayanan Ramasubramanian (MR-371), AMC.
12. Maj Gen Tirath Singh Verma (IC 4566), Infantry.
13. Maj Gen Ravinder Nath Kapoor (IC 5132), Artillery.
14. Maj Gen Mahendra Nath Rawat (IC 4779), Infantry (Retired).
15. Maj Gen Karam Singh (IC 5839), SM, Infantry.
16. Maj Gen Jagdish Narayan (MR 0597), VSM, AMC.
17. Maj Gen Baldev Rai Prashar (IC 19384), AVSM, JAG's Deptt.
18. Vice Admiral Narendra Bhalla, AVSM (40010 F).
19. Vice Admiral Jayant Ganpat Nadkarni, AVSM, NM, VSM (00086-W).
20. Air Marshal Prem Pal Singh, MVC, AVSM (3871) Flying (pilot).
21. Air Marshal Subramaniam Raghavendran, AVSM (3840) Flying (pilot).
22. Air Marshal Puran Singh Bajwa (3520) Medical.
23. Air Vice Marshal Narayanan Krishnan Nair, VSM (4075), Aeronautical Engineering (Electronics) (Retired).
24. Air Vice Marshal Daya Shanker Mishra, AVSM, VM (4067, Aeronautical Engineering (Mechanical) (Retired).

No. 19-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of Ati Vishisht Seva Medal to the following officers for distinguished service of an exceptional order :—

#### ATI VISHISHT SEVA MEDAL

1. Maj Gen Satya Pal Sethi (IC 5321), Signals.
2. Maj Gen Kailash Mohan Dhody (IC 6830), Armoured Corps.
3. Maj Gen Pramod Dattatraya Sherlekar (IC 6461), Intelligence Corps.
4. Brig Romesh Chandra Butalia (IC 4401), Artillery (Retired).
5. Brig Narinder Kumar Talwar (IC 6637) Grenadiers.
6. Brig Hardayal Singh (IC 6645) Signals.
7. Brig Tej Pratap Singh (IC 07048), Artillery.
8. Maj Gen Shailendra Raj Bahuguna (IC 7305) Kumaon Regiment.
9. Brig Hari Nath Hoon (IC 7609) Armoured Corps.
10. Brig Amarjit Singh (IC 7753) Armoured Corps (Posthumous).
11. Brig Ajit Singh Chopra (IC 7759), Infantry.
12. Brig Nannamuneni Venkata Subbarao (IC 8108), Maratha Light Infantry.
13. Brig Surinder Singh Grewal (IC 10402), Armoured Corps.
14. Brig Ian Anthony Joseph Cardozo (IC 10407), SM, Infantry.
15. Brig Himmat Singh Gill (IC 10445), VSM, Armoured Corps.
16. Brig Vijay Narayan Channa (IC 8495), VSM, Guards.
17. Brig Kulvender Singh (IC 10515), Infantry.



18. Brig Harbhajan Singh Lamba (IC 11227), Infantry.
19. Brig Niranjan Dass Parushar (MR 954), Army Medical Corps.
20. Maj Gen (Miss) Aliyath Rajammal (NR 12103), Military Nursing Services.
21. Brig (Miss) Kunda Yadav Rao Shende (AR 12142), Military Nursing Services (Retired).
22. Col Eustace William Fernandez (IC 12335), SM, Artillery.
23. Col. Gurdial Singh Hundal (IC 12537), Artillery.
24. Col. Dhruba Jyoti Mukherjee (MR 01002), VSM, Army Medical Corps.
25. Brig Krishna Nandan Prasad Sinha, (MR 1184), Army Medical Corps.
26. Col. Jagdish Kumar Arora (MR 01261), Army Medical Corps.
27. Brig (Miss) Vimla Sawhney (NR 12308), Military Nursing Services.
28. Brig Bhim Sen Joshi (IC 7020), Infantry.
29. Rear Admiral Subhash Chandra Chopra, NM (00131 Y).
30. Rear Admiral Surendra Prakash Govil (00165 Z).
31. Commodore Jnanendra Nath Roy (50075 F).
32. Surg Commodore Zainul Abedin (75282W).
33. Commodore George Kailath, NM, VSM (00303 N).
34. Commodore Mauli Bhushan Ghosh, NM (40070-I).
35. Commodore Satish Chander Bindra (60040 B).
36. Air Commodore Keshava Dev Kanagat, VM (4433) Flying (Pilot).
37. Air Vice Marshal Har Krishan Oberoi, VM (4583), Flying (Pilot).
38. Air Commodore Ajit Mohan Shahane (4685). Flying (Pilot), (Retired).
39. Air Commodore Rajendra Kumar Dhawan, VM (4736), Flying (Pilot).
40. Air Commodore Bir Inder Singh, VM (5040), Flying (Pilot).
41. Air Commodore Madhukar Keshav Joshi (4399) Flying (Navigator) (Retired).
42. Group Captain Manakkal Narayanan Amirthalingam, VM (5413), Aeronautical Engineering (Electronics).
43. Air Commodore Shashi Kumar Samuel Ramdas, VM, VSM (4930), Aeronautical Engineering (Mechanical).
44. Air Commodore Kewal Krishan Chadha (4512) Logistics (Retd.).
45. Air Commodore Krishna Murthy Konduri (5033) Accounts.
46. Air Vice Marshal Gyanendra Nath Kunzru (4167) Medical.
47. Col (Miss) Dharmamba Chinna Dunlur (NR 12429 F), MNS (Retired).

S. NILAKANTAN, Dy. Secy to the President

# MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 28th January 1985

## CORRIGENDUM

No. O-12012/33/83-Prod. :—The Words 'one year' appearing in sixth line of para 1 of this Ministry's Order No. O-12012/33/83-Prod dated 4-9-84 may please be substituted by 'four years'.

Date of commencement of the Petroleum Exploration Licence may please be treated as 10th November, 1983.

By order and in the name of the President of India.

P. K. RAJAGOPALAN, Desk Officer

# MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY)

New Delhi, the 1st February 1985

## RESOLUTION

No. ME.11013/1/85-M.—In pursuance of para 9 of the Government of India, Ministry of Tourism & Civil Aviation resolution No. ME 11013/4/77-M dated 21-9-78, the composition of the Council for Meteorology & Atmospheric Sciences (CMAS) shall be as set out below :—

### Chairman

1. Secretary, Ministry of Science & Technology Department of Science & Technology.

### Members

2. Director General of Meteorology.
3. Three Additional Directors General of India Meteorological Department.
4. Four Scientists outside the India Meteorological Department to be nominated by Government.
5. Director, Indian Institute of Tropical Meteorology, Pune.
6. Director General Civil Aviation.
7. Financial Adviser, DST, Ministry of Science & Technology.

### Non-Member Secretary

8. An officer of India Meteorological Department.

The Scientists nominated to the Council shall serve for a period not exceeding 3 years.

The above changes in the composition of Council for Meteorology & Atmospheric Sciences have been made with the approval of the Prime Minister in his capacity as Minister for Science & Technology.

## ORDER

Ordered that a copy of the Resolution which shall take effect immediately be communicated to all the Ministries/Departments of the Government of India and all the State Governments/Union Territories/Union Public Service Commission and the Comptroller & Auditor General of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

G. CHATTERJEE, Jt. Secy.

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 21st January 1985

## RESOLUTION

No. 309/3/84-TV.—With the implementation of the "Special Plan for Expansion of TV Network" in the country to cover 70% of its population, the need for expansion of TV software generation capacity in the country has also become essential. While Doordarshan itself is expanding its programme production capabilities, Ministry of Information and Broadcasting has decided to encourage setting up of video software generation facilities outside Doordarshan.

2. A considerable degree of enthusiasm has been shown by individuals and organisations in the private sector to set up such facilities and generate video software.\* To encourage the growth of this new service activity and streamline the approval procedures of Government for it, the following procedures have been drawn up for considering applications from parties wishing to enter this area :—

(a) All applications for setting up Video Software Production Centres will be received at a single point to, Director (D&C) in the Ministry of Information and Broadcasting;

(b) Applications for setting up such Centres for generating Video software would be considered using 3/4" U-matic (Standard band) format and/or 1" B format equipment of indigenous supply. Expansion of these facilities to cover other formats of recording for export purposes could be considered on merits, if accompanied by firm export commitments. The Doordarshan would, however, accept software generated on cameras not lower in quality than those manufactured by G.C.B.L.

(c) Applications for setting up facilities for conversion of film to video-tapes/cassettes will not be considered;

(d) Applications will be considered by a Committee of the Ministry of Information and Broadcasting, Directorate General Technical Development and the Department of Electronics and necessary approvals issued to the selected applicants for undertaking video software. The Committee will make recommendations for procurement of necessary equipment for consideration of Department of Electronics in such cases.

(e) Approved applicants will then be registered by the Minister of Information and Broadcasting.

#### ORDER

Ordered that this be published in the Gazette of India.

Ordered also that a copy of this be communicated to all concerned (States/Union Territories/Ministries of the Government of India).

S. R. SINGH, Jt. Secy.